Chapter-5: समकालीन दक्षिण एशिया

- बांग्लादेश,भूटान,मालदीव,नेपाल,पाकिस्तान और श्रीलंका को मिख्यत: दक्षिण एशियाई क्षेत्र मानते है इन क्षेत्रों की विशिष्ट भौगोलिक सामाजिक भाषाई तथा सामाजिक, सांस्क्रतिक एकता/समानता ने इनकी नजदीकियाँ बधाई है
- 2005 में अफगानिस्तान को भी शामील किया गया व म्यांमार पर भी चर्चा की जाती है परन्तु चीन को इस क्षेत्र का प्रमुख राष्ट्र होते हुए भी दक्षिण एशिया का अंग नहीं माना जाता
- श्रीलंका सन 1948 में स्वतंत्र हुआ दक्षिण एशियाई क्षेत्रों में जातीय संघर्ष सीमा-विवाद नहीं जल के बंटवारे के विवाद तथा संसाधनो को लेकर झगड़े होते रहे है
- इस क्षेत्र में लोकतत्र का रिकार्ड मिला-जुला रहा इन देशो की जनता लोकतंत्र की आकाक्षाओं में सहभागी रही
- पाकिस्तान में दो सरकारों बेनजीर भुट्टो व नवाजशरीफ की छोड़ लोकतंत्र न रह सका जिसका कारन वहाँ सेना धर्मगुरू और भू-स्वामी अभिजनों के सामाजिक दबदबे को माना जाता है
- नेपाल में भी लोकतंत्र व राजशाही की लम्बी जछोजहद के पश्चात भी लोकतंत्र की हडे मजबूत नहीं हो पाई
- श्रीलंका की राजनीति में सिंहली समुदाय काफी वर्चस्व रखता है एक बड़ी आबादी इसके खिलाफ है 1983 के बाद से उर्ग लिट्टे के सभी ठिकानों पर श्रीलंकाई सेना ने कब्जा लिया है तमिल संगठन लिबरेशन टाइगर्स आफ तमिल ईलम श्रीलंकई सेना के साथ सशस्त्र संघर्ष कर रहा है
- दक्षिण एशिया के राष्ट्रों ने मिलकर 1985 में दक्षेस (SAARC) का निर्माण किया
- क्षेत्र के डे राष्ट्रों भारत व पाकिस्तान के सम्बन्ध सदैव तनावपूर्ण रहे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई. एस. आई पर बंग्लादेश और नेपाल के गुप्ता ठिकानो से पूर्वोतर भारत में भारत विरोधी अभियानों में भागीदारी होने का आरोप लगता रहा है
- नेपाल व भारत के नागरिक, दोनों देशो के मधुर सम्बन्धो की वजह से दूसरे के यहाँ बगैर पासपोर्ट व वीजा के आ जा सकते है इन सब के बावजूद

भारत की सुरक्षा एजेंसियाँ नेपाल में चल रहे माओवादी आंदोलनों को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानती है

- दक्षेस को विभेदों के कारण ज्यादा सफलता नहीं मिला पाती, संघर्ष चलते रहते है इसके बावजूद भी ये देश आपसी दोस्ती के रिश्तों व सहयोग के महत्व को पहचानते व समझते है
- बांग्लादेश और भारत पूरब चलो की नीति का हिस्सा है

evidyarthi